भारत में पहली डेंगू वैक्सीन को मंजूरी

▸ दो डोज वाली वैक्सीन देगी लंबी सुरक्षा

नई दिल्ली, 19 अप्रैल. भारत में डेंगू से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है. लंबे इंतजार के बाद देश को पहली बार डेंगू से बचाव के लिए वैक्सीन मिल गई है. हर साल मानसून के दौरान डेंगू के मामलों में तेज़ बढ़ोतरी होती है, जिससे अस्पतालों पर दबाव बढ़ जाता है और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती है.

ऐसे में यह वैक्सीन सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि बीमारी को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है. सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में डेंगू के मामलों में कई गुना बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन गया है.

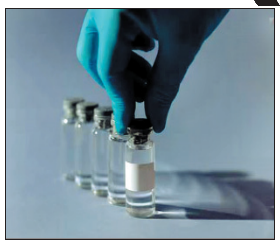

अब नाम की नई वैक्सीन को मंजूरी मिलने से उम्मीद जगी है कि इस बीमारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा।यह वैक्सीन खास इसलिए भी है क्योंकि यह डेंगू के चारों प्रकार के वायरस से सुरक्षा देने के लिए तैयार की गई है और इसे लेने के लिए पहले डेंगू होना जरूरी नहीं है।यह वैक्सीन 4 से 60 वर्ष की उम्र के लोगों के लिए अनुमोदित की गई है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे लेने के लिए पहले डेंगू से संमित होना जरूरी नहीं है. पहले उपलब्ध वैक्सीन में यह एक बड़ी सीमा थी, लेकिन इस चुनौती को पार करती है. यह डेंगू के चारों प्रमुख सेरोटाइप के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करती है, जिससे इसका प्रभाव व्यापक माना जा रहा है।टीकाकरण प्रक्रिया भी सरल रखी गई है. इसे दो डोज में दिया जाएगा, जिनके बीच लगभग तीन महीने का अंतर होगा.

▸ 4 साल तक सुरक्षा देने में सक्षम यह वैक्सीन

क्लीनिकल ट्रायल्स के अनुसार, यह वैक्सीन चार साल से अधिक समय तक सुरक्षा देने में सक्षम हो सकती है. वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसी वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने भी इस वैक्सीन को उन क्षेत्रों में उपयोगी बताया है, जहां डेंगू का खतरा अधिक रहता है. भारत ऐसे ही देशों में शामिल है, जहां दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी डेंगू के जोखिम में रहती है।हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह वैक्सीन डेंगू का पूरी तरह अंत नहीं करेगी, लेकिन संक्रमण और गंभीरता को काफी हद तक कम कर सकती है. खासकर दूसरी बार डेंगू होने पर जो खतरा बढ़ जाता है, उसमें यह वैक्सीन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

भारतीय टैंकर ने पार किया होर्मुज स्ट्रेट

नई दिल्ली. भारत के ध्वज वाले एक तेल के टैंकर ने होर्मुज स्ट्रेट को सुरक्षित पार कर लिया. भारतीय टैंकर ने इस तनाव ग्रस्त जलमार्ग को ऐसे समय पार किया है, जब 2 अन्य भारतीय जहाजों को गोलीबारी के बाद वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था. पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर सरकार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कच्चे तेल से भरा टैंकर देश गरिमा 18 अप्रैल को रणनीतिक जलमार्ग को पार कर गया और 22 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है. इस जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार है. भारतीय नौवहन निगम का टैंकर मार्च की शुरुआत से होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला 10वां भारतीय ध्वज वाला जहाज है.

उपराष्ट्रपति के दौरे से भारत-श्रीलंका करीब आए

▸ द्विपक्षीय रिश्तों को नई रफ्तार, कई मुद्दों पर सहमति

▸ तमिल समुदाय और मछुआरों के मुद्दे पर खास फोकस

कोलंबो/नई दिल्ली, 19 अप्रैल. भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में एक अहम पहल देखने को मिली है. भारत के उपराष्ट्रपति उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर कोलंबो पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया.

इस दौरान उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा की।दोनों नेताओं ने साझा इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और

लोगों के बीच मजबूत संबंधों को आधार बनाकर भविष्य में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई. बैठक में भारत की ओर से चलाए जा रहे हाउसिंग प्रोजेक्ट, आपदा प्रभावित इलाकों के पुनर्निर्माण और तमिल समुदाय के पुनर्वास जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया।इसके साथ ही, मछुआरों से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को मानवीय दृष्टिकोण से हल करने पर भी सहमति बनी.

> यह दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि यह किसी भारतीय उपराष्ट्रपति का श्रीलंका का पहला आधिकारिक द्विपक्षीय दौरा है, जो दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा भरने का संकेत देता है।दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ राष्ट्रपति सचिवालय में विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता की. इस बातचीत में दोनों देशों के साझा इतिहास, सभ्यतागत संबंधों और लोगों के बीच गहरे जुड़ाव को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। भारत द्वारा श्रीलंका में संचालित इंडियन हाउसिंग प्रोजेक्ट की प्रगति पर चर्चा हुई, जिसके तहत तमिल समुदाय के लिए आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं.

साइना नेहवाल पहुंचीं देवघर, बाबा धाम में की पूजा

▸ खेल और जीवन पर दिया प्रेरक संदेश

▸ देवघर में साइना नेहवाल का आध्यात्मिक दौरा

देवघर, 19 अप्रैल.भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल रविवार को देवघर पहुंचीं, जहां उन्होंने बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना की.

यह दौरा सीमावर्ती बिहार के बांका जिले में एक स्कूल उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने के क्रम में हुआ। उनके साथ उनके पिता हरवीर सिंह नेहवाल भी मौजूद थे।देवघर पहुंचते ही शहर में खेल प्रेमियों और प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

सभी लोग उनकी एक झलक पाने को उत्साहित नजर आए। बाबा धाम में दर्शन के दौरान साइना ने इसे अपने जीवन का एक विशेष और यादगार अनुभव बताया।उन्होंने इस मौके पर खेलों के महत्व पर भी जोर दिया और युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।बाबा बैद्यनाथ मंदिर में दर्शन के बाद साइना ने कहा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद खास और आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसे अपने जीवन का यादगार क्षण बताया, खासकर इसलिए भी क्योंकि वह अपने पिता के साथ यहां आई थीं.

वाराणसी में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

वाराणसी. वाराणसी के चितईपुर थाना क्षेत्र के सुंदरपुर इलाके में रविवार को हड़कंप मच गया, जब सन फ्लॉवर एकेडमी के पास स्थित एक मकान पर विशेष अभियान समूह (एसओजी-2) ने अचानक छापा मारा।सूत्रों के अनुसार, दीपक सिंह के घर पर लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं. सूचना पर कमिश्नरेट की एसओजी-2 टीम ने अचानक दबिश देकर देह व्यापार का अड्डा उजागर किया।मौके से 4 युवकों और 2 युवतियों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस को वहां से शक्तिवर्धक दवाइयां भी बरामद हुई हैं।

1,080 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज का 85वां वार्षिक दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली, 19 अप्रैल . थावरचंद गहलोत ने दीक्षांत भाषण दिया। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज का 85वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 18 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया.

इस अवसर पर कर्नाटक के माननीय राज्यपाल थावरचंद गहलोत, के कुलाधिपति प्रो. डी.पी. सिंह और कुलपति प्रो. बद्री नारायण तिवारी उपस्थित थे। 1936 में स्थापित टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस) भारत में सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा और अनुसंधान में अग्रणी रहा है. यह संस्थान अपने

गहन जमीनी जुड़ाव, अंत:विषयक दृष्टिकोण और जनहित के लिए ज्ञान सृजन की प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है. टीआईएसएस में दीक्षांत समारोह को उत्साह और पारंपरिक मूल्यों के साथ आयोजित करने की समृद्ध परंपरा रही है.

आज का इतिहास

- 1611- विख्यात उपन्यासकार विलियम शैक्सपियर के नाटक मैकबेथ का पहला ज्ञात मंचन हुआ.
- 1712-जहांदार शाह दिल्ली की गद्दी पर बैठा. इस मुगल सम्राट ने 1713 तक शासन किया. वह बहादुरशाह का बड़ा पुत्र था.
- 1876-भारतीय थल सेना के 41वें डोगरा में लांस नाईक लाला राम का जन्म.
- 1889-जर्मन तानाशाह अडोल्फ हिटलर का जन्म.
- 1914-उड़िया भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार गोपीनाथ मोहंती का जन्म.

केजरीवाल ने दी परशुराम जयंती पर देशवासियों को शुभकामनाएं

▸ जीवन में आए ज्ञान और साहस

नई दिल्ली, 19 अप्रैल. आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने परशुराम जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं.

इस मौके पर उन्होंने एक संदेश जारी कर लोगों के जीवन में साहस, ज्ञान और धर्मपरायणता की कामना की।केजरीवाल ने अपने संदेश में कहा कि भगवान परशुराम की कृपा से हर व्यक्ति का जीवन सकारात्मकता और नैतिक मूल्यों से प्रकाशित रहे। उनका यह संदेश सामाजिक सद्भाव और

आस्था को मजबूत करने की भावना के रूप में देखा जा रहा है।यह अवसर देशभर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है, जहां विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रम और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है।परशुराम जयंती हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है और इसे भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है.

सुको ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए गाइडलाइंस की जारी

▸ सड़कों पर भारी वाहनों की पार्किंग पर लगे रोक

▸ एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए

नई दिल्ली, 19 अप्रैल. सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए पूरे देश में कई गाइडलाइंस जारी की हैं. इन निर्देशों एक्सप्रेसवे जैसी सड़कों पर भारी वाहनों की पार्किंग पर रोक भी शामिल है. कोर्ट ने कहा कि प्रशासनिक सुस्ती या इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों के कारण एक्सप्रेसवे खतरे का गलियारा नहीं बनने चाहिए.

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की बेंच ने सड़क और परिवहन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को सड़कों को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए. बेंच ने बताया कि नेशनल हाईवे भारत की कुल सड़क लंबाई का सिर्फ 2% हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली कुल मौतों में इनका हिस्सा लगभग 30% है. ये निर्देश 13 अप्रैल को सामने आए. जहां कोर्ट 2 और 3 नवंबर 2025 को राजस्थान के फलोदी, तेलंगाना के रंगारेड्डी में लगातार हुई सड़क दुर्घटनाओं में 34 लोगों की मौत के बाद दर्ज केस पर सुनवाई कर रहा था. इन दुर्घटनाओं का कारण सिस्टम की लापरवाही और बुनियादी ढांचे का फेल्योर था, जिसके कारण ये मौतें हुईं.

नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर विपक्ष का आचरण लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ : योगी

लखनऊ, 19 अप्रैल. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में संसद के हालिया घटनाक्रम को लेकर विपक्ष, खासकर इंडी गठबंधन, पर तीखा प्रहार किया. उन्होंने कहा कि संसद में जिस प्रकार का आचरण विपक्षी

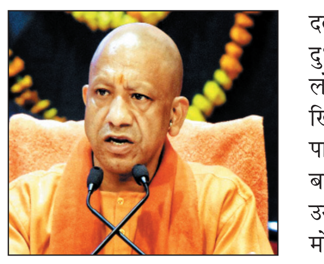

दलों द्वारा किया गया, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि देश की लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भी खिलाफ है. मुख्यमंत्री ने रविवार को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बातें कहीं . उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभाली थी, तब उन्होंने देश को चार प्रमुख वर्गों—नारी, गरीब, युवा और किसान—के रूप में देखने की बात कही थी। योगी ने कहा कि यही दृष्टिकोण आज भी केंद्र सरकार की नीतियों का आधार है, लेकिन विपक्ष लगातार इन प्रोग्रेसिव कदमों का विरोध करता रहा है.

जम्मू-कश्मीर पुलिसकर्मियों को सेना का प्रशिक्षण

10 दिवसीय आतंकवाद-रोधी रिफ्रेशर कोर्स में हुए प्रशिक्षित

जम्मू, 19 अप्रैल. भारतीय सेना के जवानों ने जम्मू में टाइगर डिवीजन की देखरेख में 10 दिवसीय आतंकवाद-रोधी रिफ्रेशर कोर्स में जम्मू और कश्मीर के पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया. गौरतलब है कि इस कोर्स की रूपरेखा भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मिलकर तैयार की थी.

इसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के बदलते सुरक्षा माहौल में तालमेल, समन्वय और प्रक्रियाओं के मानकीकरण को बढ़ाना था. कुल 108 पुलिसकर्मियों ने इस गहन प्रशिक्षण में हिस्सा लिया, जिसका संचालन मीरान साहिब ब्रिगेड ने किया।इस प्रशिक्षण का मुख्य फोकस जूनियर नेतृत्व क्षमताओं को मजबूत करने पर था.

> इस कोर्स के दौरान प्रतिभागियों को अभियानों से जुड़े कई पहलुओं में प्रशिक्षित किया गया. इनमें छोटी टीम के अभियान और गश्त, त्वरित प्रतिक्रिया टीम और मोबाइल वाहन जांच चौकी अभ्यास, घात लगाने और घात का जवाब देने की तकनीकें, घेराबंदी और तलाशी अभियान तथा कमरों में घुसकर कार्रवाई करने की प्रक्रियाएं शामिल थीं. इसके अलावा उन्हें हथियारों को संभालने और फायरिंग, आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल, ड्रोन की पहचान और ड्रोन-रोधी उपायों, प्राथमिक उपचार और घायलों को सुरक्षित निकालने तथा खुफिया जानकारी जुटाने और साझा करने जैसे विशेष क्षेत्रों में भी प्रशिक्षण दिया गया. रक्षा मंत्रालय (जम्मू) के पीआरओ और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा कि इस कोर्स का समापन क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति भारतीय तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

अजमेर में बस 200 फीट खाई में गिरी, 2 की मौत

अजमेर. राजस्थान के अजमेर में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जब यात्रियों से भरी एक बस पुष्कर घाटी के पास करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हो गए। बस में कुल 33 यात्री सवार थे, जो एक धार्मिक कार्यक्रम के लिए जा रहे थे।हादसा पुष्कर से लगभग 3 किलोमीटर पहले हुआ, जब बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और पेड़-झाड़ियों में फंस गई। जिससे कई लोगों की जान बच गई।हादसे में दो महिलाओं—पूजा (28) और विमला देवी (50)—की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 31 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.

सोशल मीडिया पर एआई से बना वीडियो न डालें

दिल्ली, 19 अप्रैल. चुनाव आयोग ने 2026 में विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी, भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जनित सामग्री का उपयोग करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए.

आयोग ने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों, जैसे कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुसार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि एआई से बनाया गया कोई भी गुमराह करने वाला या गैर-कानूनी कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट किए जाने के तीन घंटे के भीतर हटा दिया जाना चाहिए. चुनाव आयोग ने कृत्रिम मीडिया से जुड़े राजनीतिक प्रचार में अधिक पारदर्शिता लाने का भी निर्देश दिया। राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके

प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कंटेंट पर साफ तौर पर एआई-जनित, डिजिटली परिष्कृत या कृत्रिम सामग्री का लेबल लगाएं और साथ ही यह भी बताएं कि यह सामग्री किसने बनायी है। आयोग ने कहा कि यह कदम तेजी से बढ़ते डिजिटल चुनावी माहौल में पारदर्शिता बनाए रखने और मतदाताओं का भरोसा जीतने के लिए जरूरी है. यह निर्देश पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच आया है, जहां अधिकारी ऑनलाइन कंटेंट पर बारीकी से नजर रख रहे हैं ताकि किसी भी नियम के उल्लंघन को रोका जा सके।आयोग के अनुसार जो पोस्ट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं, चुनाव प्रक्रिया के बारे में गलत बातें फैलाते हैं या जिनसे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा होता है, उन्हें आईटी ढांचे के तहत नियुक्त किए गए राज्य आईटी नोडल अधिकारी ट्रैक कर रहे हैं.

▸ राहुल आज तमिलनाडु में 3 चुनावी सभा करेंगे

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को तमिलनाडु के चुनावी दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य में तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 11 बजे कन्याकुमारी

जिले के कोलाचेल स्थित लेक्श्मीपुरम कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस में पहली जनसभा को संबोधित करेंगे।इसके बाद वह दोपहर 12 बजे वे तिरुनेलवेली जिले के नांगुनेरी क्षेत्र के सुरंकुडी पंचायत में आयोजित जनसभा में हिस्सा लेंगे।दौरे की तीसरी और अंतिम जनसभा दोपहर दो बजे तूतीकोरिन जिले के श्रीवैगुंटम स्थित स्वायरपुरम में अस्पताल के सामने ग्राउंड पर आयोजित होगी, जहां राहुल गांधी जनता को संबोधित करेंगे।तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल राज्य में चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने के लिए लगातार जनसभाएं और प्रचार अभियान चला रहे हैं.

▸ आईपैक ने कर्मचारियों को 20 दिनों की छुट्टी पर भेजा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई, जब सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी के चुनावी मैनेजमेंट से जुड़ी संस्था आईपैक के कामकाज रुकने की खबर सामने आई। बताया गया कि संस्था ने अपने कर्मचारियों को 20 दिनों की छुट्टी पर भेज दिया है और 'कानूनी कारणों' का हवाला दिया है। इस खबर ने चुनावी माहौल में कई तरह के सवाल खड़े कर दिए, क्योंकि आईपैक लंबे समय से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी के लिए रणनीतिक भूमिका निभाता रहा है।हालांकि टीएमसी ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है और इसे भ्रम फैलाने की कोशिश बताया है। पार्टी का कहना है कि चुनाव प्रचार पहले की तरह ही जारी है और जमीनी स्तर पर कोई असर नहीं पड़ा है।पश्चिम बंगाल में चुनावी सरगर्मी के बीच आईपैक को लेकर उठे विवाद ने सियासी माहौल को गरमा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस चुनावी रणनीति बनाने वाली संस्था ने राज्य में अपने सभी कामकाज को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला लिया है और कर्मचारियों को 20 दिनों की छुट्टी पर भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय 'कानूनी वजहों' के चलते लिया गया है और 11 मई को इसकी समीक्षा की जाएगी.

चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी सामग्री पर सख्ती की

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने 2026 में विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के दौरान सोशल मीडिया पर गैर-कानूनी, भ्रामक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जनित सामग्री का उपयोग करने और चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नियम लागू किए. आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करते हुए कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मौजूदा कानूनी प्रावधानों, जैसे कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के अनुसार सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से और नैतिक रूप से इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए .आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि एआई से बनाया गया कोई भी गुमराह करने वाला या गैर-कानूनी कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट किए जाने के तीन घंटे के भीतर हटा दिया जाना चाहिए .चुनाव आयोग ने कृत्रिम मीडिया से जुड़े राजनीतिक प्रचार में अधिक पारदर्शिता लाने का भी निर्देश दिया. राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और उनके प्रतिनिधियों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कंटेंट पर साफ तौर पर एआई-जनित, डिजिटली परिष्कृत या कृत्रिम सामग्री का लेबल लगाएं और साथ ही यह भी बताएं कि यह सामग्री किसने बनायी है . आयोग ने कहा कि यह कदम तेजी से बढ़ते डिजिटल चुनावी माहौल में पारदर्शिता बनाए रखने और मतदाताओं का भरोसा जीतने के लिए जरूरी है .यह निर्देश पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच आया है, आयोग के अनुसार जो पोस्ट आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हैं, चुनाव प्रक्रिया के बारे में गलत बातें फैलाते हैं या जिनसे कानून-व्यवस्था बिगड़ने का खतरा होता है, उन्हें आईटी ढांचे के तहत नियुक्त किए गए राज्य आईटी नोडल अधिकारी ट्रैक कर रहे हैं और उन पर कार्रवाई कर रहे हैं .आयोग ने कहा कि 15 मार्च को चुनावों की घोषणा के बाद से 11,000 से अधिक सोशल मीडिया पोस्ट और यूआरएल की पहचान की गई है .

मौसम ▸ दिन ही नहीं, रात भी तपेगी, लू का खतरा, पूर्वोत्तर में बारिश, बाकी जगह तपिश

देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी के हालात

नई दिल्ली/जयपुर/लखनऊ, 19 अप्रैल. देश में गर्मी ने इस साल अपने तेवर जल्दी दिखाने शुरू कर दिए हैं. अप्रैल के मध्य में ही तापमान कई राज्यों में 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे हालात मई-जून जैसे हो गए हैं. मध्य भारत, उत्तर भारत और पश्चिमी हिस्सों में लू का असर तेजी से बढ़ रहा है.

जबकि कुछ इलाकों में रात के समय भी गर्म हवाएं चलने का खतरा बन गया है।छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों में लगातार बढ़ते तापमान ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं. हालात इतने गंभीर हैं कि

कुछ जगहों पर स्कूल बंद करने पड़े हैं, वहीं जानवरों को भी ठंडक देने के लिए खास इंतजाम किए जा रहे हैं।दिलचस्प बात यह है कि जहां देश का एक बड़ा हिस्सा भीषण गर्मी से जूझ रहा है, वहीं पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है. मौसम का यह विपरीत रूप देशभर में अलग-अलग तरह की चुनौतियां पैदा कर रहा है।इस तेजी से बढ़ते तापमान ने साफ संकेत दे दिया है कि आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं. मौसम विभाग ने खास तौर पर छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड के लिए चेतावनी जारी की है, जहां रात के समय भी लू चलने की संभावना है. आमतौर पर लू दिन में ही प्रभावी होती है, लेकिन रात में भी गर्म हवाओं का चलना स्वास्थ्य के लिए ज्यादा खतरनाक माना जाता है, क्योंकि शरीर को राहत नहीं मिल पाती।गर्मी का असर सिर्फ इंसानों तक सीमित नहीं है. झारखंड की राजधानी रांची में चिड़ियाघर के जानवरों को बचाने के लिए कूलर लगाए जा रहे हैं.